# VEDIC AGE (वैदिक सभ्यता)

## (1500 – 600 BC)

- पूर्व वैदिक काल (1500 – 1000 BC)
- उत्तर वैदिक काल (1000 – 600 BC)

Arctic Home to Vedas = Book = Bal Gangadhar Tilak
इसी time period में वेदों का संकलन हुआ इसीलिए उसे वैदिक सभ्यता कहते हैं।

Indo-Aryan Theary = आर्यों का निवास स्थान मध्य एशिया माना गया है।

वैदिक ग्रंथो की रचना = इंडो-आर्यो ने की।

जितने भी Idians है वे सब आर्य जाति से संबंधित हैं।

बोगजकोई शिलालेख = 4 वैदिक देवताओ व उनके जन्म स्थल के बारे में तुर्की में खोजा गया था।

भाषा के आधार पर = कुछ शब्द जो same है –
(यूरोप और इंडिया की dictionary में)
भ्राता
सप्त
अंदर

VEDAS (वेद) = Oldest text —— इसी time पर Zenda Avesta (Iran का text) (पारसी समुदाय का)

- अपौरुषेय (not of human) (gifted by god)
- श्रुति
- वेद = ज्ञान

## वेदो के उपखंड —

संहिता (मंत्रो का समूह)
ब्राह्मण (अनुष्ठान, समारोह, बलिदान)
आरण्यक (तपस्वी, जंगल)
उपनिषद (दर्शन और आध्यात्मिक ज्ञान) — वेदांत भी कहते है।

सभी वेदों का आखिरी chapter = ब्राह्मण

## Types of Vedas —

**ऋग्वेद** — सबसे बड़ा और पुराना वेद है।
10 मण्डल व 1028 सूक्त है।
10600 छंद है।

वैदिक मंत्रो का आख्यान करने वाले और कर्मकाण्ड करने वाले पुरोहित को होतृ कहा जाता था।

चार देवताओ के बारे में — इंद्र
अग्नि
विष्णु
वरुण

गायत्री मंत्र = 3 वें मंडल में — विश्वामित्र द्वारा
⇓
मंत्र की संख्या = 24

10 वें मण्डल में — पुरुषसूक्त = 4 वर्णों का उल्लेख है।

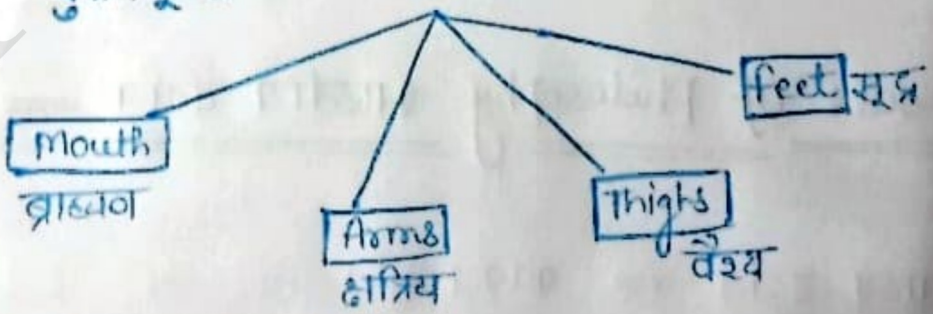




9 वे मण्डल में — भगवान सोम → सोमरस (energy drink)
↓
god of plants (पेड़-पौधो का देवता)

→ 2 से 7 तक मण्डल पहले बने थे जबकि 1, 8, 9, 10 वां बाद में।

PARMAR SSC

**सामवेद** — संगीत की सबसे पुरानी पुस्तक

└ 2 उपनिषद हैं — ① छन्दोग्य उपनिषद व ② केन उपनिषद

② केन उपनिषद

सामवेद को गायन करने वाला पुरोहित = उद्गात्या

**यजुर्वेद** — मंत्रो का संग्रह है।

└ 2 भाग में विभाजित है-

- शुक्ल यजुर्वेद
- कृष्ण यजुर्वेद

शतपथ ब्राह्मण भी इसी में दिया गया है।

प्रमुख उपनिषद — बृहदारण्यक उपनिषद (सबसे पुराना)

कठोपनिषद् (नचिकेता की कहानी)

**अथर्ववेद** — 20 खण्ड में विभाजित है।

सबसे नया वेद है।

इसमे जादू-टोना और तन्त्र-मन्त्र का उल्लेख है।

प्रमुख उपनिषद → मुण्डकोपनिषद (सत्यमेव जयते का उल्लेख)

महाउपनिषद (वसुधैव कुटुम्बकम् का उल्लेख)

पुरोहित = ब्रह्मा

**Schools of philosophy भारतीय दर्शन** = orthodox

सांख्य दर्शन = कपिल मुनि

न्याय दर्शन = गौतम (scientific approach)

वैशेषिक दर्शन = ऋषि कणाद (Atoms)

योग दर्शन = पतंजलि

उत्तर मीमांसा (वेदांत) = बदरायण (उपनिषदो का दार्शनिक शिक्षण)

पूर्व मीमांसा = जैमिनी

PARMAR SSC

**वेदांग** — वेद को समझने के लिए वेदांग हैं।
कुल 6 वेदांग हैं।

शिक्षा :- ध्वनि का अध्ययन
कल्प :- अभ्यास का अध्यन
व्याकरण :- व्याकरण का अध्ययन
निरुक्त :- व्युत्पत्ति का अध्ययन (शब्दो का ज्ञान)
ज्योतिष :- प्रकाश का अध्ययन
छन्द :- काव्य का अध्ययन

**पूर्व वैदिक काल** — ऋग्वैदिक काल भी कहा जाता था।
→ ऋग्वेद से पता चलता है।

हिमवंत = हिमालय
मुंजावत = हिन्दकुश

ये लोग सप्त सिंधु में रहते थे। (सिंधु, झेलम, चिनाव
व्यास, रावी, सतलुज, सरस्व

सिंधु = सिंधु
झेलम = वितास्तता
चिनाव = अस्किनी
व्यास = विपासा
रावी = पुरुष्णी
सतलज = शुतुद्री
सरस्वती = सरस्वती

दशराजन युद्ध = रावी नदी के किनारे
[भरत कबीले (राजा सुदास व सात कबीलों
(नेता पुरुष कबीले का राजा) के बीच]

PARMAR SSC

**समाज :-** 4 वर्णों में विभाजित था -

1. ब्राह्मण
2. क्षत्रिय
3. वैश्य
4. सूद्र

} काम के आधार पर

बाल विवाह प्रचलन में नहीं था।
विधवा पुनर्विवाह होते थे।
[ नियोग = विधवा पति के छोटे भाई से शादी करती थी।]
पितृसत्तातमक समाज था।
गाय को पवित्र व अमूल्य संपत्ति माना गया।
↘ अघन्य कहा गया।

**राजनीति :-** राजतन्त्र शासन प्रणाली थी।

सभा – अमीरो की सभा
समिति – आम लोगो की सभा

सेना प्रमुख — सेनानी
गांव प्रमुख — ग्रामिणी

**धर्म :-** प्रकृति की पूजा करते थे।

इंद्र – (पुरंदर) (सबसे अधिक बार नाम आया है।)
पृथ्वी
अग्नि (भगवान व मनुष्यों के बीच कड़ी)
सोम
वायु
रुद्र (पशुओ के देवता)

PARMAR SSC

अदिति (mother of gods)

सावित्री (गायित्री मंत्र इन्हीं को समर्पित था।)

NO animal worship

गेरु रंग के मिट्टी के बर्तन पाए गए हैं।

आर्य ग्रंथों की भाषा = संस्कृत

ऋग्वेद में ऋषि विश्वामित्र और देवी के रुप में पूजी जाने वाली दो नदियाँ व्यास और सतलज के बीच संवाद के रुप में एक भजन है।

1800 से 1500 ई.पू. की 30 ऋग्वेद पांडुलिपियों को UNESCO के memory of the world register में 2007 में शामिल किया गया

PARMAR SSC

## उत्तर वैदिक काल — (1000 BC – 500 BC)

आर्यों ने अब अपना निवास स्थल पंजाब से पश्चिमी उत्तरप्रदेश गंगा-यमुना दोआब तक विस्तारित कर लिया।

ऊपरी हिस्से में — कुरु
निचले हिस्से में — पांचाल
> मिलकर राजधानी बनायी हस्तिनापुर

कुरु कबीला < पांडव, कौरव

Mahabharat कब हुआ = 950 ई.पु.

जबकि महाभारत ग्रन्थ = ~~400~~ 400 वीं शताब्दी में लिखा।

उत्तर वैदिक काल में और आगे आर्यों ने दोआब से पूर्वी उत्तर प्रदेश तक क्षेत्र विस्तारित कर लिया।

⇓

लोहे के हथियार + घोड़ो की वजह से possible हुआ

↓

कृष्ण-अयस / श्याम अयस
कृष्ण / श्याम प्रकार का लोहा

## कृषि — राजा भी खेतो में शारीरिक श्रम करते थे।

- Vrihi — चावल
- लकड़ी के हल (ग्रामीण इलाके में)

## राजनीतिक व्यवस्था — centralised

सभा = औरतो को बैठने की अनुमति नहीं थी

समिति

विदथा

PARMAR SSC

समाज — वर्ण में विभाजित था।

ब्राह्मण
क्षत्रिय ⟶ व्यापार
वैश्य
शूद्र ⟶ नौकर

महिलाओं की स्थिति अच्छी नहीं थी।

गोत्र प्रणाली का उदय हुआ।

4 आश्रम में विभाजित —

ब्रह्मचर्य
गृहस्थ
वानप्रस्थ
सन्यास

1. अनुलोमा विवाह — लड़का ऊँची जाति का + लड़की नीचे जाति की
2. प्रतिमा विवाह — लड़की नीचे जाति की + लड़का नीचे जाति का
3. गन्धर्व विवाह

PARMAR SSC